CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDTRAUT User: cci Time: 03-29-2026 14:20 Color:

‘ऐक्टर ना होती तो जानवरों को बचा रही होती’
देखें अंदर

नवभारत टाइम्स NBT
Delhi Times
OF INDIA
masala mix
MONDAY, MARCH 30, 2026
ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

बेटे को इसलिए क्वालिटी टाइम नहीं देते माधवन
देखें अंदर

100% AUTHENTIC iD®

TransparenSee

We opened our factory doors to experts.

They reaffirmed our promise of **No Preservatives** and clean label food.
We stood together to drive greater transparency in food.

Chitwan Garg
Nutrition Coach

Rohan Sehgal
Creator of the Sugar Spike Show

Meghna Kamdar
Chef
(Meghna's Food Magic)

Sonia Narang
Certified Dietician & Nutritionist

Dr. Manan Vora
Orthopaedic Surgeon & Health Educator

Leema Mahajan
Nutritionist, Hormone Health & Weight Loss Specialist

Scan to watch iD's transparency promise through the eyes of experts.

Happy World Idly Day

क्यों K-ड्रामा बन रहे हैं असल रिलेशनशिप की पहचान

इट्स ओके टू नॉट बी ओके

वैन लाइफ गिव्ज यू टैंजरीन्स

रिया शर्मा

आज की मॉडर्न डेटिंग की दुनिया में चीजें बेहतर हो रही हैं, क्योंकि महिलाएं अब यह सुनिश्चित कर रही हैं कि उनके पार्टनर को पता हो कि उनके साथ कैसा व्यवहार करना है और इस 'अच्छा बर्ताव करो' वाले क्रैश कोर्स के लिए गाइड बुक का काम कर रहे हैं K-ड्रामा। दरअसल, कोरियन पुरुषों की परफेक्ट दुनिया और उनके पार्टनर्स की जिंदगी पर पड़ने वाले गहरे असर से प्रेरित होकर महिलाएं अब अपनी जिंदगी के पुरुषों से कोरियन शो देखने की गुजारिश कर रही हैं।

किंग इन द लैंड का एक सीन

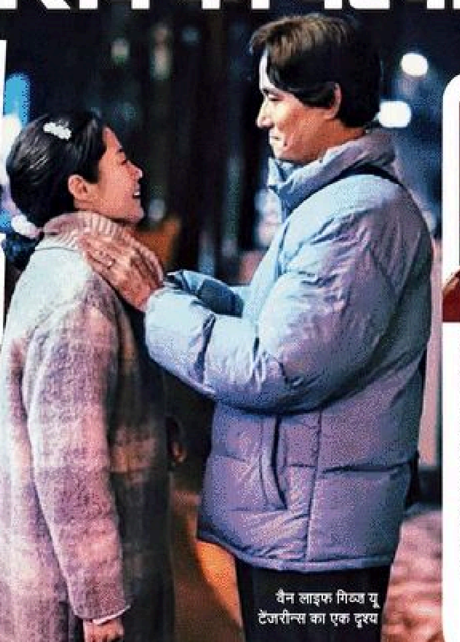

वैन लाइफ गिव्ज यू टैंजरीन्स का एक दृश्य

बॉयफ्रेंड को दिखा रहे K-ड्रामा

दिल्ली की एक टीचर सुनीता गोसाईं बताती हैं, 'पुरुषों को जरा भी अंदाजा नहीं होता कि हम क्या चाहते हैं। मैंने अपने बॉयफ्रेंड को एक के-पॉप ड्रामा का सीन भेजा ताकि वह देख सके कि वह इन शोज में अपनी गर्लफ्रेंड का ख्याल रखते हैं। लेकिन उसे यह बात समझ ही नहीं आई। वह पूछता है कि उसने ऐसा क्या किया, जो तुम मुझे दिखाना चाहती थीं। वह एक सीन था, जिसमें हीरोइन के हाथ से कांटा (Fork) गिर जाता है और वह उसे उठाने के लिए नीचे झुकती है, तो शो का हीरो मेज के किनारे को अपने हाथ से ढक देता है ताकि हीरोइन के सिर पर चोट न लगे।' एक और टीचर सविता भारद्वाज कहती हैं कि वह अपने बॉयफ्रेंड को रोमांटिक सीन भेजती हैं ताकि उसे पता चल सके कि उन्हें क्या पसंद है। वह कहती हैं, 'समर स्ट्राइक का जूतों वाला सीन, जिसमें लड़की वुडन फ्लोर से चलकर जा रही होती है और हीरो फ्लोर पर से लड़की के पैरों के निशान से उसके पैरों का साइज मापता है। यह एक ऐसा सीन था, जिसे मैंने खासतौर पर उसे देखने के लिए कहा था। इन शोज की सबसे अच्छी बात यह है कि इन्हें बनाते समय महिलाओं के नजरिए को खासतौर पर ध्यान में रखा जाता है। मैं अपने बॉयफ्रेंड से ये शोज देखने के लिए इसलिए कहती हूं, ताकि उसे समझ आ सके कि मुझे क्या पसंद है।'

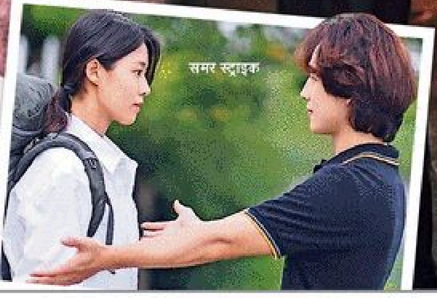

समर स्ट्राइक

छोटी-छोटी बातों से बड़ी उम्मीदें

कोरियन ड्रामा में लड़की बारिश में भीगती है, तो हीरो उसे अपनी जैकेट देता है। अगर ऐक्ट्रेस का जूता टूट जाता है, तो हीरो उसे अपनी पीठ पर बैठाकर ले जाता है। हीरोइन टेबल के कोने पर बैठी है और उसकी चम्मच गिर गई है, उसे टेबल के किनारे से चोट ना लग जाए, तो हीरो उस कॉर्नर को अपने हाथों से ढक देता है। K-पॉप ड्रामा में लड़की को कार से उतरते समय चोट ना लग जाए, इसलिए हीरो कार की छत पर हाथ रख लेता है। ऐसे तमाम सीन्स की एक लंबी लिस्ट है। चाहे समुद्र तैरकर पार करना हो या सियोल के ट्रैफिक में अपनी महंगी कार को स्पीड में चलाकर अपनी प्रेमिका तक पहुंचना, क्योंकि वह कहीं फंसी हुई है! कोरियन हीरो यह सब करते हैं। इसलिए लड़कियां चाहती हैं कि लड़कों को पता चले कि उन्हें क्या चाहिए।

उम्मीद, सम्मान और सच्चे प्यार का वादा

वैष्णवी पांडे एक विश्लेषक हैं। वह कहती हैं, 'ये शोज आपको उम्मीदें देते हैं कि ऐसा प्यार सच में होता है। कोरियन ड्रामा में वे हमेशा ऐसा प्यार दिखाते हैं, जहां कपल एक-दूसरे के प्यार में तुरंत दीवाने नहीं हो जाते, इस तरह का प्यार आपके मन को सुकून और आजादी देता है।' वह आगे कहती हैं, 'इन शोज में पुरुष दयालु दिखते हैं और आपकी कुछ कमियों के साथ आपके असल रूप से प्यार करते हैं। ऐसे कार्यक्रम आपको यह उम्मीद देते हैं कि शायद दुनिया में ऐसा प्यार कहीं मौजूद है। मैं हमेशा अपने सभी पुरुष दोस्तों से कम से कम एक K-ड्रामा देखने को कहती हूं।'

'कोरियन-ड्रामा में पुरुष भावनाओं के बारे में जागरूक हैं'

कोरियन ड्रामा में पुरुषों को भावनात्मक रूप से जागरूक दिखाया जाता है। वकील निकिता आनंद बताती हैं कि वे छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देते हैं, ध्यान से सुनते हैं, बातें याद रखते हैं और भावनाओं को सब्र से संभालते हैं। ये वे बातें हैं, जिनका सबसे ज्यादा असर होता है। निकिता कहती हैं, 'इस साल, मैंने वेन लाइफ गिव्ज यू टैंजरीन्स (When Life Gives You Tangerines) देखी और इस शो का हीरो ग्रीन फ्लैग का एकदम सही उदाहरण था। उसने हिरोइन को अपनी सबसे पहली प्राथमिकता बनाया और किसी को भी उसकी बेइज्जती नहीं करने दी। उसने उसके लिए सब कुछ शुरू से बनाया।' एचआर प्रोफेशन से जुड़ी सृष्टि राय कहती हैं, 'K-ड्रामा में लड़के सच में इस बात का बहुत ध्यान रखते हैं कि उनके पार्टनर को क्या पसंद है और क्या नहीं। वे उनके लुक की तारीफ करते हैं।'

Images: indiapicture

रिश्ते में दिल का जुड़ाव न होना एक खामोश समस्या

वह उसके साथ रहती है, उसके साथ हंसती है, रोजमर्रा की जिंदगी साथ बिताती है। बाहर से सब ठीक लगता है, दोस्तों और परिवार को भी। लेकिन रात को जब सब शांत हो जाता है, उसे एक अजीब-सा खालीपन महसूस होता है। जैसे कुछ है, जो जुड़ नहीं पा रहा। वह भी शायद यही महसूस करता है, लेकिन दोनों समझ नहीं पाते कि इसे कैसे ठीक करें। यही आज की एक बड़ी समस्या है। लोग रिश्तों में हैं, लेकिन अंदर से अकेले हैं। बाहर से सब परफेक्ट दिखता है, लेकिन भीतर एक दूरी बनी रहती है। हमें बचपन से सिखाया जाता है कि सही इंसान मिल जाए, तो जिंदगी पूरी हो जाएगी। लेकिन हर बार ऐसा नहीं होता।

रिलेशनशिप एक्सपर्ट डॉ. चांदनी तुगनैत के मुताबिक, कई लोग यह मान लेते हैं कि रिश्ते में आने से उनका अकेलापन या असुरक्षा अपने आप खत्म हो जाएगी। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। प्यार हर खालीपन नहीं भर सकता। हम अक्सर सोचते हैं कि प्यार हमारी सारी परेशानियां दूर कर देगा। लेकिन सच्चाई यह है कि कोई भी इंसान आपके अंदर के पुराने जख्म नहीं भर सकता। डॉ. तुगनैत कहती हैं कि साथी आपको प्यार और सहारा दे सकता है, लेकिन भावनाओं को संभालना आपकी अपनी जिम्मेदारी है। रिश्ते से ज्यादा उम्मीद रखना सही नहीं।

अनकही बातें दूरी बढ़ा देती हैं

कई बार समस्या यह होती है कि हम अपनी जरूरतें साफ-साफ बताते ही नहीं। हम मान लेते हैं कि सामने वाला बिना कहे सब समझ जाएगा। लेकिन जब ऐसा नहीं होता, तो धीरे-धीरे शिकायतें बढ़ने लगती हैं। हमें लगता है कि हमें समझा नहीं जा रहा, जबकि हमने कभी उनको खुलकर बताया ही नहीं कि हमें क्या चाहिए। अक्सर हम अपने बचपन या पुराने अनुभवों को रिश्तों में दोहराते हैं। जो चीजें हमें पहले मिलीं जैसे दूरी या अनदेखी, उन्हीं को हम अनजाने में फिर से जीने लगते हैं। इस वजह से कई बार रिश्ते गहरे नहीं बन पाते, भले ही उनमें आकर्षण और भावनाएं हों।

साथ रहकर भी अकेलापन

किसी के साथ रहना, रोज बातें करना या साथ समय बिताना, ये सब जरूरी है लेकिन काफी नहीं। असल जरूरत होती है भावनात्मक सुरक्षा की, जहां आप खुलकर खुद को व्यक्त कर सकें बिना डर के। आजकल सोशल मीडिया पर परफेक्ट कपल्स दिखते हैं, लेकिन असली जुड़ाव दिखावे से नहीं आता। वह तब आता है जब आप जैसे हैं, वैसे ही स्वीकार किए जाते हैं।

असली संतुष्टि भीतर से आती है

यह समझना जरूरी है कि कोई भी रिश्ता आपको पूरा नहीं कर सकता। जब आप खुद अंदर से अच्छा महसूस करते हैं, तभी रिश्ता भी बेहतर बनता है। जब दो लोग ईमानदारी से बात करते हैं, अपनी जरूरतें समझते हैं और एक-दूसरे को स्पेस देते हैं, तब रिश्ता हल्का और सच्चा लगता है।

Image generated by AI, for representational purposes only

मिडल ईस्ट में लड़ाई का असर भारतीयों की डेस्टिनेशन वेडिंग्स पर

दुबई-कतर वाली शादियां आ रहीं मसूरी और गोवा

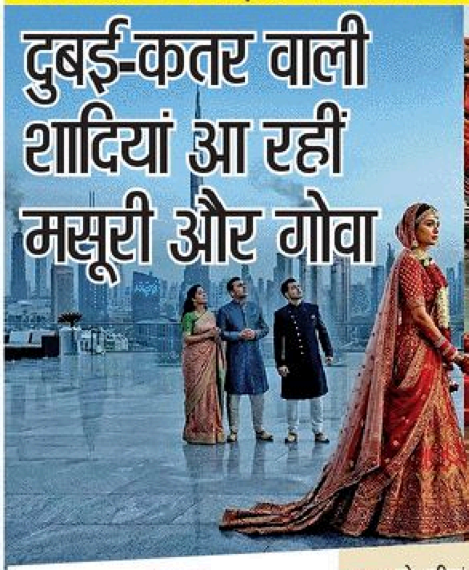

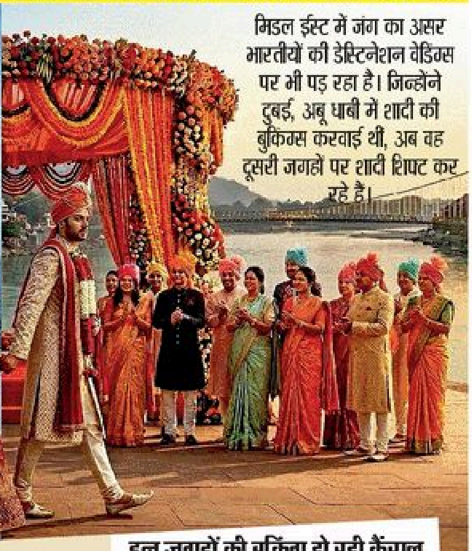

मिडल ईस्ट में जंग का असर भारतीयों की डेस्टिनेशन वेडिंग्स पर भी पड़ रहा है। जिन्होंने दुबई, अबू धाबी में शादी की बुकिंग्स करवाई थीं, अब वह दूसरी जगहों पर शादी शिफ्ट कर रहे हैं।

गौरव खरे

गुरुग्राम में रहने वाले युग शर्मा अप्रैल में दुबई में डेस्टिनेशन वेडिंग करने वाले थे। मगर ईरान-इस्राइल युद्ध के चलते अब जब दुबई दिक्कत में आ गया है, तो युग ने वहां से वेन्यू कैंसल करके भारत में शादी शिफ्ट की। वहीं प्राइवेट जॉब करने वाले चित्रांश कुमार कहते हैं, 'हमने जुलाई में बहरीन में शादी के लिए बुकिंग कराई थी। लेकिन समस्या यह है कि अभी यह युद्ध थमता नहीं दिख रहा। ऐसे में हम देख रहे हैं कि क्या ऐसे कुछ देश हैं, जो इस वॉर से दूर हों और शादी के लिहाज से भी हमारे लिए खूबसूरत रहें।'

'बुकिंग हो रही कैंसल, नई बुकिंग्स'

भारतीयों के लिए दुबई समेत मिडल ईस्ट के तमाम देश डेस्टिनेशन वेडिंग के बड़े ठिकाने रहे हैं। मगर जबसे लड़ाई शुरू हुई है, तबसे इन डेस्टिनेशन वेडिंग्स पर संकट आ गया है। वेडिंग इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुताबिक, इससे उनके काम पर 90 फीसदी तक असर पड़ा है। बीएमवी वेडिंग के फाउंडर रघुवीर सिंह बताते हैं, 'मिडिल ईस्ट में भारतीय सबसे ज्यादा दुबई, अबू धाबी, दोहा, कतर और बहरीन में शादियां करना पसंद करते हैं। मगर इस जंग की चपेट में ये सभी शहर आए हैं। ऐसे में जो शादियां पहले से ही मार्च से लेकर जुलाई तक के लिए बुक थीं, वे अब कैंसल हो गई हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग में इस वक्त 90 प्रतिशत काम खटाई में पड़ गया है। जिनको आने वाले विंटर सीजन की बुकिंग करनी थी, वे मान रहे हैं कि ये युद्ध लंबे समय तक चल सकता है, ऐसे में वे लोग शादी के लिए बुकिंग करने से बच रहे हैं।'

> जो शादियां विदेश से विदेश में ही शिफ्ट हो रही हैं, तो उनके बजट में तो मुश्किल ही कोई फर्क पड़ेगा। लेकिन जो शादियां मिडिल ईस्ट से भारत में आ रही हैं, उनका बजट जरूर कुछ कम हो जाएगा।
>
> -रघुवीर सिंह (वेडिंग प्लानर)

> ज्यादातर लोग भारत में ही शादी शिफ्ट कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोग साउथ ईस्ट देशों को भी चुन रहे हैं। इन देशों में थाईलैंड और श्रीलंका सबसे ऊपर है। -नीरज गंगवान, चेयरमैन (इंडियन वेडिंग इंडस्ट्री एसोसिएशन)

इन जगहों की बुकिंग हो रही कैंसल

- दुबई
- अबू धाबी
- दोहा
- कतर
- बहरीन

भारत में यहां पर शिफ्ट हो रहीं शादियां

- मसूरी
- ऋषिकेश
- देहरादून
- शिमला
- गोवा
- जयपुर
- उदयपुर

डेस्टिनेशन वेडिंग का 90 फीसदी काम रुका

एक आंकड़े के अनुसार, वेडिंग इंडस्ट्री को हो रहा है करोड़ों का नुकसान

मसूरी, गोवा, थाइलैंड, श्रीलंका शिफ्ट

हालांकि इस बीच कपल्स अपनी शादी को लेकर तनाव नहीं चाहते, इसलिए वह उन जगहों की तलाश में हैं जो सबसे सुरक्षित हों। इंडियन वेडिंग इंडस्ट्री एसोसिएशन के चेयरमैन नीरज गंगवान कहते हैं, 'अभी की स्थिति यह है कि ज्यादातर लोग दुबई, सऊदी अरब, बहरीन से भारत में ही शादी शिफ्ट कर रहे हैं। लेकिन कुछ लोग साउथ ईस्ट देशों में भी शादी शिफ्ट कर रहे हैं। इन देशों में थाईलैंड और श्रीलंका सबसे ऊपर हैं।' वकील रघुवीर सिंह, 'ये कपल्स जो अपनी शादी को मिडिल ईस्ट देशों से मूव कर रहे हैं, वे भारत में मसूरी, ऋषिकेश, देहरादून, शिमला, गोवा जैसी जगहों पर शादी करना चाहते हैं। मई तक जयपुर और उदयपुर में भी लोग इंडोर वेन्यू में शादी करने के लिए तैयार हैं।'

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDFP User: anil.rana@timesofindia.com Time: 03-29-2026 14:59 Color:

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix

MONDAY, MARCH 30, 2026
ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

समैंथा ने औरतों के हक पर रखी अपनी राय

देखें अंदर

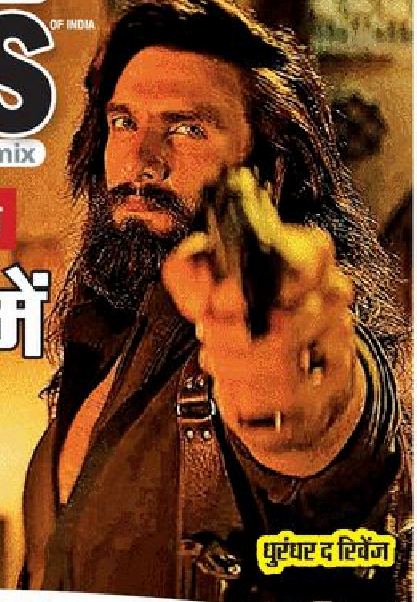

रणवीर सिंह-सनी देओल की फिल्मों की बदौलत

पहले तीन महीनों में बॉक्स ऑफिस पर बरसे 1500 करोड़

प्रशांत जैन

साल 2026 की पहली तिमाही में बॉर्डर 2 व धुरंधर द रिवेंज जैसी बड़ी फिल्मों की रिलीज शेड्यूल होने के चलते बहुत कम दूसरी फिल्में रिलीज हुईं। बावजूद इसके साल के पहले तीन महीनों में बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए रेकॉर्ड बन गए। जी हां, पहली तिमाही में हिंदी बॉक्स ऑफिस पर 1500 करोड़ रुपए की कमाई अपने आप में नया रेकॉर्ड है। इसमें सबसे बड़ा योगदान ईद पर रिलीज हुई रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर द रिवेंज का है। पहले सप्ताह में 690 करोड़ की कमाई करने वाली यह फिल्म दूसरे वीकेंड पर पुष्पा 2 (830 करोड़) का रेकॉर्ड तोड़कर दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। जल्द ही यह 1000 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली पहली हिंदी फिल्म भी बन जाएगी। दरअसल, इस साल पहली तिमाही में पहले धुरंधर, फिर बॉर्डर 2 और फिर धुरंधर द रिवेंज के चलते दूसरे निर्माताओं ने अपनी फिल्में रिलीज करने से परहेज किया। यही वजह है कि इस साल की पहली तिमाही में धुरंधर द रिवेंज, बॉर्डर 2, ओ रोमियो, मर्दानी 3, केरल स्टोरी 2 और इक्कीस जैसी महज आधा दर्जन ही ऐसी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, जिन्होंने दहाई के आंकड़े में कमाई की।

बीते साल से ज्यादा कमाई

2025 की पहली तिमाही में महज 1000 करोड़ रुपए की ही कमाई हुई थी। जबकि उसमें बड़ा योगदान विकी कौशल की छावा का था। फिल्मी दुनिया के जानकार कहते हैं कि साल की पहली तिमाही में अमूमन ज्यादा कमाई नहीं होती। बॉक्स ऑफिस के ट्रेंड पर अगर नजर डालें, तो साल की तीसरी या चौथी तिमाही को कमाई के लिहाज से अहम माना जाता है। दरअसल, उस दौरान 15 अगस्त, दशहरा, गांधी जयंती, दिवाली व क्रिसमस जैसी कमाऊ रिलीज डेट पड़ती हैं। अगर बीते सालों पर नजर डालें, तो साल 2024 में तो पहली छमाही यानी कि पहले छह महीनों में महज 1500 करोड़ रुपए की कमाई हुई थी। जबकि 2026 में पहले तीन महीनों में ही बॉक्स ऑफिस पर 1500 करोड़ की कमाई हो गई।

धुरंधर 2 ने कर दिया कमाल

वेव सिनेमाज के वाइस प्रेसिडेंट योगेश रायजादा कहते हैं, 'जनवरी में लोग धुरंधर देखने सिनेमाघर आ रहे थे। उसके बाद बॉर्डर 2 को काफी दर्शकों ने देखा। उसके बाद धुरंधर 2 ने मोर्चा संभाल लिया।' प्रोड्यूसर व फिल्म बिजनेस एनालिस्ट गिरीश जौहर ने कहा, 'फिल्मों के बंपर प्रदर्शन के चलते पहली तिमाही में कमाई के सारे रेकॉर्ड टूट गए।'

> पहली तिमाही की बैलेंस शीट को सही रखने में धुरंधर द रिवेंज का बड़ा योगदान है। -योगेश रायजादा, वाइस प्रेसिडेंट, वेव सिनेमाज

इस तिमाही में कमाई

- धुरंधर द रिवेंज - 850 करोड़*
- बॉर्डर 2 - 341 करोड़
- ओ रोमियो - 60 करोड़
- मर्दानी 3 - 53 करोड़
- केरल स्टोरी 2 - 39 करोड़

(* कमाई जारी है)

टैलंट से ज्यादा कड़ी मेहनत पर भरोसा करती हैं ऐन हैथवे

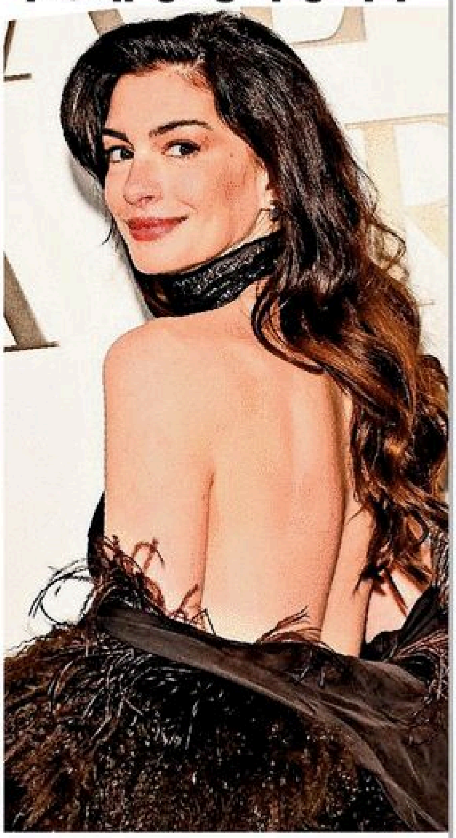

हाल ही में ऐन हैथवे ने अपने सफल करियर पर बात करते हुए कहा कि वह टैलंट से ज्यादा आज भी कड़ी मेहनत पर भरोसा करती हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, 'मुझे बचपन से ही पता था कि मैं और लोगों से थोड़ी ज्यादा लकी हूं, मुझे कुछ खास सुविधाएं मिली हैं लेकिन ऐसा नहीं था कि मुझे यह बड़ी सी सफल जिंदगी यूं ही मिल गई। मुझे हमेशा अपनी मेहनत और काम की वजह से पहचान मिली है क्योंकि मुझे यही काबिलियत दी गई है और मुझे यही करना आता है। मगर हां, मैं कितनी मेहनत करती हूं, यह मैं खुद तय करती हूं।'

ऐन हैथवे ने बचपन में डांस सीखने की कोशिश की थी, मगर सफल नहीं हो पाईं। उनका कहना है कि वह अपनी काबिलियत और कमियों को खुलकर स्वीकार करती हैं। ऐन कहती हैं, 'मैंने सोचा कि मैं डांसर नहीं बन सकती लेकिन आवाज ठीक है। फिर मुझे लगा कि सिर्फ ऐक्टिंग है जो मैं हमेशा खुशी से करना चाहूंगी और इसमें मैं 100 फीसदी देती हूं।'

> मुझे हमेशा अपनी मेहनत और काम की वजह से पहचान मिली है क्योंकि मुझे यही काबिलियत दी गई है। इस काम को मैं हमेशा खुशी से कर सकती हूं

माधवन ने बताया, क्यों नहीं बिताते बेटे के साथ वक्त

आर माधवन अपने बेटे वेदांत के साथ क्वालिटी टाइम नहीं बिता पाते। अब माधवन ने इसकी वजह बताई है। वह बताते हैं कि एक दिन बेटे ने क्वालिटी टाइम ना देने को लेकर अपनी बात कही थी। तब मैंने बेटे से कहा था कि मेरे पिता ने कभी मेरे साथ क्वालिटी टाइम नहीं बिताया लेकिन जब मुझे उनकी जरूरत थी, वह मेरे साथ थे। मैंने बेटे से कहा कि अगर तुम मुझसे उम्मीद करते हो कि मैं तुम्हारे स्कूल के हर गेम में मौजूद रहूं, तो मैं वैसा पिता नहीं बन पाऊंगा। लेकिन तुम्हें जब भी मदद की जरूरत पड़ी, मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।'

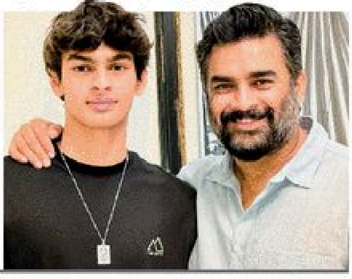

पहले एक्शन असली होता था, अब VFX में मजा नहीं: अक्षय

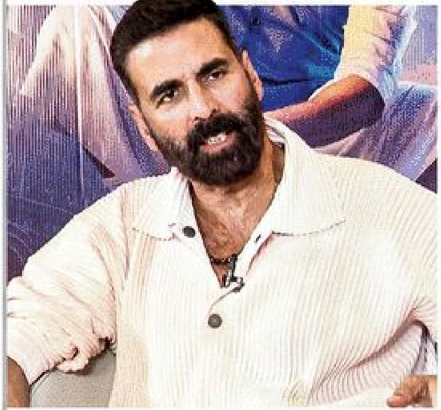

अक्षय कुमार ने अपने करियर में कई ऐसी एक्शन फिल्में की हैं, जिसमें उनका रियल एक्शन देखने को मिला है। लेकिन अब अक्षय का कहना है कि वह ऐसी एक्शन फिल्मों के पक्ष में हैं जो असली हों, ना कि ऐसी जिन्हें VFX और AI की मदद से बनाया गया हो। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'आजकल एक्शन फिल्में जिस तरह से बन रही हैं, उसमें एक बड़ा अंतर है। पहले एक्शन असली होता था। लेकिन अब सब कुछ VFX की मदद से किया जाता है। इसमें करने में कोई मजा नहीं आता क्योंकि ये नकली लगता है। मैं एक ऐसी फिल्म बनाना चाहता हूं जो बिल्कुल असली हो।' असल एक्शन फिल्मों से अक्षय का क्या मतलब है, वह इस बारे में उदाहरण के साथ बताते हैं। वह कहते हैं, 'अगर मैं कूद रहा हूं, तो मैं सच में कूद रहा हूं, न कि उसके लिए VFX का इस्तेमाल किया गया हो। या अगर मैं किसी को लात मार रहा हूं, तो मैं सच में ऐसा कर रहा हूं, न कि 15 लोग मुझे इसमें मदद कर रहे हों।'

'एक्शन फिल्म ना बनी हो AI से'

फिल्म इंडस्ट्री में भले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल बढ़ रहा है, लेकिन अक्षय कुमार को फिल्म इंडस्ट्री का AI पर निर्भर होना अच्छा नहीं लग रहा है। वह कहते हैं, 'मैं यह बात AI के जमाने में कह रहा हूं और लोग चाहे तो कुछ भी सोच सकते हैं। लेकिन मैं ऐसी एक्शन फिल्म बनाना चाहता हूं, जो सच में असली एक्शन फिल्म हो। जिसे देखकर दर्शक महसूस कर सकें कि उसे बनाने में कितनी मेहनत की गई है, जो AI या कंप्यूटर की मदद से काफी अलग होती है।'

> पहले एक्शन असली होता था, लेकिन अब सब VFX की मदद से किया जाता है। इसमें करने में कोई मजा नहीं आता है क्योंकि यह नकली लगता है।

'मैं ऐक्टर ना होती तो आज जानवरों को बचा रही होती'

रेखा खान

वामिका गब्बी आज भले ही बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा हों लेकिन संघर्ष के दिनों में वह इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना चुकी थीं। उन्होंने बताया कि मिडनाइट चिल्ड्रन में न चुनी गई होती, तो ऐक्टिंग छोड़ देती। अगर वह ऐक्टिंग ना कर रही होतीं तो क्या करतीं? जवाब में वह कहती हैं, 'अगर मैं अभिनय नहीं करती, तो जानवरों को बचा रही होती। मैं एनिमल लवर हूं और मुझे उनके बीच रहना पसंद है। मेरे पास 6 डॉग हैं, मैंने इन्हें कोविड के दौरान बचाया था। मुझे याद है कि मैं फुर्सत की शूटिंग कर रही थी और मेरी निगाह एक छोटे से डॉग पर पड़ी। मैं उसे घर ले आई, मुझे लगा अगर मैंने उसे नहीं बचाया, तो वह मर जाएगा।'

अपने पेट्स के साथ वामिका गब्बी

CONTINUED ON ▸2

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 30-03-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDINDRAD User: cci Time: 03-29-2026 13:33 Color:

अभिषेक रहते हैं आलोचना सुनने के लिए तैयार

@bachchan

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में डिजिटल क्रिएटर्स के बढ़ते प्रभाव और परफॉर्मेंस के बदलते दौर पर खुलकर अपनी राय रखी है। अभिषेक ने फिल्मों की आलोचना और समीक्षा पर बात करते हुए कहा कि हमें अक्सर आलोचना को नकारात्मक रूप में देखने की आदत होती है, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक कमर्शियल आर्ट फॉर्म में काम करता हूं और अगर मैं लोगों से उनकी मेहनत की कमाई और कीमती समय मेरी फिल्मों पर खर्च करने की उम्मीद करता हूं, तो मैं उनके प्रति जवाबदेह भी हूं। मैं लोगों की परख, उनके फैसले और उनकी आलोचना स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहता हूं।'

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए अभिषेक ने स्वीकार किया कि करियर की शुरुआत में उनकी सोच ऐसी नहीं थी। बाकी कलाकारों की तरह उन्हें भी लगता था कि सब कुछ उनके हिसाब से सही होगा। जब उनकी फिल्मों को आलोचना झेलनी पड़ी, तो वह इसे नकारने लगे थे। उन्हें लगता था कि समीक्षक उनके काम को समझ नहीं पा रहे हैं या वे उनके काम को जज करने के काबिल ही नहीं हैं। लेकिन समय के साथ उनके नजरिए में बदलाव आया। उन्होंने महसूस किया कि समीक्षक उनके विरोधी नहीं हैं, बल्कि वे रास्ता दिखाने वाले हैं। अभिषेक के अनुसार, 'अगर कोई खुद को अच्छा ड्राइवर मानता है, तो उसे दूसरों की राय सुनकर सुधार करने में कोई बुराई नहीं देखनी चाहिए। ऐसे फीडबैक ने ही मुझे एक अभिनेता के तौर पर आगे बढ़ने में मदद की।' उन्होंने कहा, 'कलाकार हो या समीक्षक, उसका काम असली और यूनीक होना जरूरी है। मेरी इस बात में थोड़ी नाराजगी या कड़वाहट महसूस हो सकती है, लेकिन असलियत यही है कि आपको अपनी मौलिकता बचानी होगी।'

एक वक्त लगने लगा था कि मैं ऐक्टिंग छोड़ चली जाऊंगी: वामिका

@wamiqagabbi

CONTINUED FROM 1

वामिका बताती हैं कि विशाल भारद्वाज ने जब उन्हें मिडनाइट चिल्ड्रन किताब पर आधारित फिल्म, जो अब डिब्बाबंद हो चुकी है, के लिए सिलेक्ट किया था, तो उनकी जिंदगी बदल गई थी। बकौल वामिका, 'साल 2019 मेरे लिए बहुत ज्यादा मुश्किल था। तब मैंने सोच लिया था कि मुझे नहीं बनना ऐक्टर। यहां कुछ नहीं हो रहा, तो मैं ऐक्टिंग ही छोड़ देती हूं। उस साल मैंने अपना बोरिया-बिस्तर बांधने का फैसला कर लिया था। ये उस वक्त की बात है, जब मैंने विशाल सर (फिल्मकार विशाल भारद्वाज) की फिल्म मिडनाइट चिल्ड्रन के लिए ऑडिशन दिया था और मैं शॉर्ट लिस्ट हो गई। मगर सच कहूं, तो मैंने वह ऑडिशन भी बेमन से दिया था। मैंने सोचा, इतने सालों में तो कुछ हुआ ही नहीं है, यहां थोड़े ही कुछ बात बनेगी। मुझे पूरा यकीन था कि मैं सिलेक्ट नहीं होऊंगी। हालांकि मुझे सीन करने में बहुत मजा आया था। मगर मैं उस रोल के लिए चुन ली गई और उसके बाद तो मेरी जिंदगी बदल गई। विशाल भारद्वाज जैसे फिल्मकार ने एक नई लड़की पर विश्वास जताया और कहा कि रोल के लिए मैं परफेक्ट हूं। जबकि हम एक-दूसरे को जानते तक नहीं थे। मगर उसके बाद इंडस्ट्री और कास्टिंग डायरेक्टर्स के बीच ये चर्चा होने लगी कि विशाल भारद्वाज ने मुझ पर विश्वास जताया और फिर मुझे तरह-तरह के ऑडिशन के ऑफर्स आने लगे।'

'मुझे हमेशा से अभिनय ही करना था'

पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जब वी मेट जैसी फिल्म में करीना कपूर की कजन की छोटी सी भूमिका भी की। फिर मुंबई में अपने 8 साल के करियर में फिल्मों और किरदारों के मामले में अच्छी-खासी मेहनत की है। अपने सफर को लेकर वह कहती हैं, 'मुझे तो हमेशा से अभिनय करना था, मगर आठ-नौ साल से मैं जब तक मुंबई में थी, तब करियर में कुछ हो नहीं रहा था। आज सोचती हूं कि तब मैंने हार क्यों नहीं मानी! मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी थीं कि लड़कियां 17-18 साल की उम्र में हीरोइन बनने जाती हैं और 40 साल की होकर जब वापस आती हैं, तब उनका इंडस्ट्री में कुछ नहीं होता। कई बार निराश भी हुई, मगर मुझे लगा था कि मुझे वह लड़की नहीं बनना। नहीं हुआ इंडस्ट्री में कुछ तो मैं कुछ और कर लूंगी। मगर आज पलट कर देखती हूं, तो लगता है कि अगर मैंने अच्छा काम किया है, तो अच्छे लोगों ने मुझ पर भरोसा किया। अकेले तो कुछ कर ही नहीं सकती थी।'

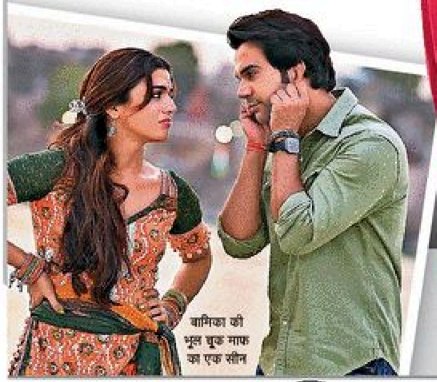

वामिका की भूल चूक माफ का एक सीन

'डैड के लिए असरानी जी की फोटो ली थी'

बड़े कलाकारों के साथ काम करने पर वामिका कहती हैं, 'मेरा परिवार बहुत खुश है कि मुझे असरानी और परेश रावल सरीखे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर मिला। मैंने तो शूटिंग के दौरान चुपके से स्वर्गीय असरानी जी का फोटो खींचकर अपने डैड को भेजी थी।'

> मिडनाइट चिल्ड्रन के लिए ऑडिशन दिया था और मैं शॉर्ट लिस्ट हो गई। चुने जाने की उम्मीद नहीं थी, पर बाद में जिंदगी बदल गई

समैंथा ने महिलाओं के हक पर रखी राय

@samantharuthprabhuoffl

समैंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और जेंडर भेदभाव पर अपनी बेबाक राय रखी। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, 'इस इंडस्ट्री में महिलाओं को अपनी पहचान बनाने और अपनी बात रखने के लिए पुरुषों के मुकाबले दोगुनी मेहनत करनी पड़ती है। महिलाएं अक्सर दूसरों की सुविधा के लिए अपने सपनों, अपनी राय और अपने वक्त के साथ समझौता कर लेती हैं और इसे एक सामान्य सी बात मान लेती हैं।'

> अपनी तारीफ स्वीकारना किसी तरह का अहंकार नहीं है। महत्वाकांक्षी होने से कैरेक्टर खराब नहीं होता

उन्होंने कहा, 'महिलाएं एक ही स्थिति में पुरुषों की तुलना में लगभग दस गुना ज्यादा माफी मांगती हैं। अब वक्त आ गया है कि वे अपनी कमाई हुई जगह और सम्मान पर अपना हक जताएं।' समैंथा ने आगे कहा, 'अपनी तारीफ को स्वीकार करना अहंकार नहीं है और महत्वाकांक्षी होना कैरेक्टर को खराब नहीं करता। इसलिए महिला प्रधान फिल्मों को अलग तरह से न देखा जाए।'

प्रतीक गांधी ने स्कूल में बिताए थिएटर के दिनों को किया याद

@pratikgandhiofficial

प्रतीक गांधी का थिएटर से खास लगाव है। उन्होंने हाल ही में अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें साझा कीं और बताया कि इन तस्वीरों में उनके चेहरे पर दिखने वाली खुशी, आज भी मंच पर जाते समय वैसी ही बनी रहती है। प्रतीक ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'यह तस्वीरें मेरी जिंदगी की सबसे प्यारी यादों में से एक हैं। मुझे यह अंदाजा नहीं था कि स्कूल के उस छोटे से मंच पर किया गया प्रदर्शन मेरे भविष्य की मजबूत नींव बन रहा है। कार्डबोर्ड के सेट और छोटी-छोटी गलतियों के बीच ही मेरा आत्मविश्वास और अभिनय का सफर शुरू हुआ।'

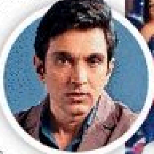

प्रतीक ने स्कूल में किए थिएटर की यह तस्वीर शेयर की

'मेरा अभिनय बनावटी नहीं क्योंकि मैं असल में जैसा, पर्दे पर भी वैसा'

@bijugkalaa

बृजेंद्र काला

गौरव खरे

अपनी सादगी और ऐक्टिंग से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले बृजेंद्र काला इन दिनों वह अपनी फिल्म किस्सा कोर्ट कचहरी का को लेकर चर्चा में हैं। पेश है उनसे हुई खास बातचीत।

'मेरे अभिनय में दिखता है आम आदमी का अक्स'

बृजेंद्र काला का मानना है कि उनके किरदारों में दिखने वाली सहजता उनकी पर्सनैलिटी और बनावट का हिस्सा है। वह कहते हैं, 'मैं जो भी करता हूं, वह बनावटी नहीं लगता क्योंकि मैं असल जिंदगी में जैसा हूं, पर्दे पर भी वैसा ही दिखता हूं। मेरे बोलने के अंदाज और परफॉर्म करने के तरीके से लोग खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि यह तो उनके आसपास का ही कोई व्यक्ति है।'

आरामपसंद होने के सवाल पर काला बताते हैं कि वह खुद को हमेशा व्यस्त रखना पसंद करते हैं। उनके अनुसार, 'खाली बैठे रहने की थकान काम करने वाली थकान से कहीं ज्यादा भारी होती है। खाली वक्त में मैं संगीत सुनना या नई कहानियां सुनना पसंद करता हूं।'

छोटे शहरों में थिएटर को लेकर लोगों की रुचि के बारे में वह कहते हैं, 'मुझे लगता है कि छोटे शहरों में थिएटर के प्रति लोगों की रुचि बहुत हद तक साहित्यिक होती है। वहां थिएटर होता है, तो वहां प्रेमचंद नजर आते हैं, कई पुराने प्ले होते हैं। लोगों को लगाव है। फिर धीरे-धीरे वह कुछ बड़ा करने की कोशिश करते हैं, जिसमें बड़ी कास्ट की जरूरत होती है, वह छोटे शहर में मिलना मुश्किल होता है।' अपनी फिल्म किस्सा कोर्ट कचहरी के के बारे में वह कहते हैं, 'मैंने वकील का किरदार कई बार किया है। ये कहानी मेरठ की है, जिसमें हिट एंड रन केस है और जिसने हिट किया है वो एक अमीर आदमी का बच्चा है। उस बच्चे को बचाने के लिए मैं लड़ रहा हूं।'

'चाय, समोसा और थिएटर का दौर'

उन्होंने संघर्ष के दिनों पर कहा, वह दौर एक फैंटेसी जैसा था। पूरा महीना समोसे पर गुजर जाता था।

कोर्ट-कचहरी और पुलिस से मेरी तौबा

क्या असल जिंदगी में वह कभी पुलिस थाने या कोर्ट-कचहरी गए हैं? वह कहते हैं, 'असल जिंदगी में मेरा पाला कभी कोर्ट-कचहरी से नहीं पड़ा। मैं प्रार्थना करता हूं कि किसी को पुलिस चौकी और कोर्ट के चक्कर न काटने पड़ें।' उनके अनुसार, 'अस्पताल में इलाज की गारंटी तो है, लेकिन इन दो जगहों पर समाधान मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती।'

फिल्म 83 का एक दृश्य

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in